IJARSCT

ISSN (Online) 2581-9429

International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology (IJARSCT)

International Open-Access, Double-Blind, Peer-Reviewed, Refereed, Multidisciplinary Online Journal

Impact Factor: 7.53

Volume 4, Issue 9, March 2024

कृत्रिम बुद्धिमत्ता (ए.आई.) का विकास और खिलाड़ियों के रोजगार स्थिति में परिवर्तनः एक अध्ययन

रणविजय सिंह

शोधार्थी , एम. पी. एड़. , एम. फिल. , स्नातकोत्तर महाविद्यालय , गाजीपुर, उत्तर प्रदेश

डॉ वीरेंद्र कुमार सिंह

सहायक आचार्य, शारीरिक शिक्षा एवं खेलकूद विभाग , स्नातकोत्तर महाविद्यालय , गाजीपुर, उत्तर प्रदेश

प्रस्तावना :

वर्तमान समय में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) का उपयोग विभिन्न क्षेत्रों में दिखाई दे रहा है। यह नई तकनीक क्या खिलाड़ियों की रोजगार स्थिति पर प्रभाव डाल सकती है, यह विचारशील विषय है जो उचित ध्यान और अध्ययन की आवश्यकता है। प्रस्तुत शोध पत्र का मुख्य उद्देश्य कृत्रिम बुद्धिमत्ता (ए.आई.) का खिलाड़ियों के रोजगार स्थिति में परिवर्तन का एक अध्ययन करना है। एआई के विकास के साथ, कई नई तकनीकी और नौकरी भूमिकाएं उत्पन्न हो रही हैं, परन्तु इसके साथ ही कुछ पारंपरिक नौकरियाँ भी समाप्त हो रही हैं। इस संदर्भ में, यह शोध पत्र एआई के प्रभाव के संदर्भ में व्यापक रूप से विश्लेषण करेगा। इसमें एआई के उपयोग के लाभ और उससे होने वाले नुकसान का अध्ययन किया जाएगा, साथ ही खिलाड़ियों के लिए नौकरी स्थिति में परिवर्तन के लिए नई क्षमताओं की जरूरत का भी मूल्यांकन किया जाएगा।

इस शोध पत्र में, हम एआई के प्रयोग के सामाजिक, आर्थिक, और नैतिक प्रभावों का भी विश्लेषण करेंगे। इसके अलावा, रोजगार संबंधित नीतियों और उपायों की चर्चा की जाएगी जो खिलाड़ियों को एआई प्रौद्योगिकियों के द्वारा होने वाले परिवर्तनों के साथ अच्छे तरीके से निपटने में मदद कर सकती हैं। इस शोध पत्र के माध्यम से, हम यह समझने का प्रयास करेंगे कि एआई प्रौद्योगिकियों का रोजगार स्थिति पर कैसा प्रभाव होता है और कैसे हम इस प्रक्रिया को सुधार सकते हैं ताकि एक समृद्ध और समावेशी भविष्य तैयार किया जा सके।

मुख्य शब्द : आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, एआई प्रभाव, रोजगार की स्थिति, नौकरी विस्थापन, कौशल विकास, सामाजिक-आर्थिक निहितार्थ, नैतिक विचार, नीति सिफारिशें।

परिचय

आधुनिक तकनीकी युग में कृत्रिम बुद्धिमत्ता का (.आई.ए)विकास एक महत्वपूर्ण और चरम संभावना का परिचायक है। इसका अर्थ न केवल तकनीकी क्षेत्रों में वृद्धि और नई संभावनाओं का खुलना है, बल्कि यह भी खिलाड़ियों के रोजगार स्थिति में परिवर्तन का निर्माण कर रहा है। खेलों के क्षेत्र में एप्रयोग का .आई., खिलाड़ियों के कौशलों में नई तकनीकी उन्नति, और डेटा विश्लेषण के माध्यम से खिलाड़ियों की प्रदर्शन क्षमता में सुधार लाने में सहायक हो रहा है। स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी की एक हालिया रिपोर्ट में पाया गया कि 2015 और 2021 (एचएआई 2023) के बीच एआई पेटेंट की संख्या 30 गुना बढ़ गई, जो एआई विकास क्षेत्र में हुई प्रगति की तीव्र दर को उजागर करती है। एआई-संचालित प्रौद्योगिकियां अब कई प्रकार के कार्य कर सकती हैं, जिनमें जानकारी प्राप्त करना, लॉजिस्टिक्स का समन्वय करना, वित्तीय सेवाएं प्रदान करना, जटिल दस्तावेजों का अनुवाद करना, व्यावसायिक रिपोर्ट लिखना, कानूनी विवरण तैयार करना और यहां तक कि बीमारियों का निदान करना भी शामिल है। इसके अलावा, मशीन लर्निंग (एमएल) के उपयोग के माध्यम से सीखने और सुधार करने की उनकी क्षमता के कारण इन कार्यों की दक्षता और सटीकता में सुधार होने की संभावना है।

फ्रैंक एट अल. (2019) एआई के श्रम बाजार निहितार्थ पर वर्तमान साहित्य को दो व्यापक श्रेणियों में वर्गीकृत करें: एक विनाशक का परिप्रेक्ष्य और एक आशावादी का परिप्रेक्ष्य। डूम्सयर्स का मानना है कि एआई द्वारा श्रम प्रतिस्थापन रोजगार को नुकसान पहुंचाएगा। फ्रे और ओसबोर्न (2013) का अनुमान है कि अगले दशक में कुल अमेरिकी रोजगार का 47% स्वचालन के कारण नौकरियां खोने का खतरा है। उनके शोध से पता चलता है कि सेवा व्यवसायों में रोजगार का एक बड़ा हिस्सा - जहां पिछले दशकों में सबसे अधिक अमेरिकी नौकरी में वृद्धि हुई है - कम्प्यूटरीकरण के प्रति अत्यधिक संवेदनशील है। बाउल्स (2014) ने अनुमान लगाने के लिए फ्रे और ओसबोर्न (2013) ढांचे का उपयोग किया है कि यूरोपीय संघ की 54% नौकरियों में कम्प्यूटरीकरण का खतरा है। एसेमोग्लू और रेस्ट्रेपो (2017) अत्यधिक स्वचालन का एक ऐतिहासिक उदाहरण प्रदान करते हैं जो कमजोर उत्पादकता और बहाली प्रभावों के कारण श्रम बाजार को नकारात्मक रूप से प्रभावित कर रहा है, जिससे पता चलता है कि अमेरिका में 1990 और 2000 के दशक में औद्योगिक स्वचालन के संपर्क में आने वाले क्षेत्रों में रोजगार पर बड़े और मजबूत नकारात्मक प्रभाव पड़े। लॉरेंस एट अल. (2017) का तर्क है कि एआई स्वचालन अपने बड़े सकारात्मक स्पिलओवर प्रभावों (पुनर्स्थापना प्रभाव) के कारण रोजगार बाजार पर नकारात्मक प्रभाव डालने की संभावना नहीं है, जो श्रम

IJARSCT
ISSN (Online) 2581-9429
International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology (IJARSCT)
International Open-Access, Double-Blind, Peer-Reviewed, Refereed, Multidisciplinary Online Journal
Impact Factor: 7.53
Volume 4, Issue 9, March 2024

बाजार में प्रतिस्थापन के नकारात्मक प्रत्यक्ष प्रभावों का प्रतिकार करेगा और इसे शुम्पेटेरियन 'रचनात्मक विनाश' के रूप में देखा जा सकता है।

प्रस्तुत शोध पत्र में, हम एक व्यापक दृष्टिकोण से ए.आई. के विकास और खिलाड़ियों के रोजगार स्थिति में परिवर्तन के विषय में अध्ययन करने का प्रयास करेंगे। हमारा उद्देश्य है समझना कि कैसे ए.आई. की विभिन्न विधियों का उपयोग खेलों में खिलाड़ियों की भूमिका और रोजगार स्थिति में परिवर्तन के लिए किया जा रहा है। इसके अलावा, हम विभिन्न भारतीय संदर्भों में ए.आई. के प्रयोग का विशेष रूप से उल्लेख करेंगे, जिससे हम विशेष ध्यान दे सकें कि कैसे भारतीय खिलाड़ियों और खेलों में ए.आई. का प्रभाव है और रहेगा। संबंधित विषय के पूर्वाध्ययन भाग में, ए.आई. के विकास और खिलाड़ियों के रोजगार में परिवर्तन संबंधित प्रमुख आवश्यकताओं का संक्षेप निम्नलिखित रूप में प्रस्तुत किया गया हैः

ए.आई. प्रौद्योगिकी विकासः

आधुनिक युग में एकीकृत तकनीक के क्षेत्र में, एक महत्वपूर्ण और रोचक क्षेत्र है, इसके साथ, ए.आई. का विकास तकनीकी प्रगति की एक अद्वितीय जांच है, जिसमें नवीनतम नवाचारों को अध्ययन किया जाता है और उन्हें व्यापक रूप से अवलोकन किया जाता है। एक सर्वोत्तम तकनीकी अद्यतन और प्रगति की जांच निम्नलिखित क्षेत्रों में हो सकती हैः

मशीन लर्निंगः मशीन लर्निंग का क्षेत्र एक बड़ा क्षेत्र है जो ए.आई. के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इसमें अल्गोरिदम्स के माध्यम से संग्रहित डेटा का उपयोग किया जाता है ताकि प्रतिसाद सारणी तैयार की जा सके। मशीन लर्निंग अल्गोरिदम्स को प्रशिक्षित करने के लिए बहुत सारे तकनीकी उपायों का विकास किया गया है, जैसे कि स्वरूपण नेटवर्क, रिकरेंट नेटवर्क, और एनसीटी जैसे एल्गोरिदम्स।

डीप लर्निंगः डीप लर्निंग एक और तकनीक है जो ए.आई. में प्रगति को बढ़ावा देता है। यह तकनीक बड़े स्तर पर डेटा के संचयन और विश्लेषण के माध्यम से स्वयं सीखने की क्षमता को संभव बनाती है। डीप लर्निंग के उपयोग से, ए.आई. सिस्टम्स बेहद विविध तरीकों से स्वयं बेहतर और समझदार बनते हैं।

नेचुरल लैंग्वेज प्रोसेसिंग (NLP): नेचुरल लैंग्वेज प्रोसेसिंग (NLP) क्षेत्र में, ए.आई. ने बड़े उत्पादन की तरफ बढ़ने का काम किया है। यह क्षेत्र उपयोगकर्ताओं के भाषाई डेटा को समझने, अनुवाद करने, और संवाद निर्मिति करने में उत्कृष्ट हो रहा है। NLP के विकसित उपायों में, ट्रांसफर्मर्स, लोंग शॉर्ट-टर्म मेमरी (LSTM), और रेकरेंट न्यूरल नेटवर्क (RNN) शामिल हैं।

IJARSCT
ISSN (Online) 2581-9429
International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology (IJARSCT)
International Open-Access, Double-Blind, Peer-Reviewed, Refereed, Multidisciplinary Online Journal
Impact Factor: 7.53
Volume 4, Issue 9, March 2024

रोबोटिक्सः

रोबोटिक्स क्षेत्र में, ए.आई. का विकास नवीनतम और सबसे प्रासंगिक है। यह खेल के खिलाड़ियों और अन्य स्पोर्ट्स पर्यावरणों में ऑटोमेटेड यंत्रों के विकास के माध्यम से खिलाड़ियों के अनुकूल सहायक उपकरण बनाने में मदद करता है। यह स्वचालित गेटवे, स्वचालित कैमरा सिस्टम्स, और संवादी यंत्र आदि को शामिल करता है ।

डेटा और एल्गोरिदम्सः

ए.आई. के विकास में डेटा साक्षात्कार और एल्गोरिदमिक प्रोसेसिंग का महत्वपूर्ण स्थान है। डेटा साक्षात्कार के माध्यम से, सिस्टम्स को बेहतर समझाया जा सकता है और एल्गोरिदम्स के माध्यम से, डेटा को विश्लेषित और संरेखित किया जा सकता है। इसमें डेटा माइनिंग, विश्लेषण, और भविष्य के पैटर्न की पूर्वानुमान शामिल हैं।

ऑटोमेशनः

ए.आई. के विकास में ऑटोमेशन की भूमिका बड़ी है। इससे विभिन्न कार्यों की स्वचालित क्षमता को बढ़ाया जा सकता है, जैसे कि डेटा संग्रह, विश्लेषण, और प्रसंस्करण। ऑटोमेशन क्षमताएं विभिन्न सेक्टरों में विस्तार से लागू हो रही हैं, जैसे कि स्वचालित गणराज्य, स्वचालित उपभोक्ता सेवाएं, और स्वचालित वित्तीय प्रबंधन।

इस प्रकार, ए.आई. के विकास में उपर्युक्त तकनीकी प्रगति और अद्यतनीकरण की जांच से ए.आई. के उपयोग की नई संभावनाओं का संकेत मिलता है। यह नवाचार और प्रौद्योगिकी के माध्यम से खिलाड़ियों के रोजगार में भी महत्वपूर्ण परिवर्तन लाता है।

खिलाड़ियों के रोजगार में परिवर्तनः

खिलाड़ियों के रोजगार में ए.आई. के विकास ने नए द्वार खोले हैं, जिनमें प्रशिक्षण, नए आवेदन, और करियर पैथवे के परिवर्तन शामिल हैं। इन विकासों के माध्यम से, खिलाड़ियों को नए स्तर की सामर्थ्य और संवेदनशीलता प्राप्त करने का अवसर मिलता है।

प्रशिक्षण और कौशलः

ए.आई. के विकास ने खिलाड़ियों के लिए नई कौशलों की मांग बढ़ा दी है। डेटा विश्लेषण, एल्गोरिदमिक फिर से खेल, और टेक्नोलॉजी के प्रयोग के लिए खिलाड़ियों को प्रशिक्षण देना महत्वपूर्ण है। इससे खिलाड़ियों की संपूर्ण कार्यता और प्रदर्शन में सुधार होता है।

IJARSCT

ISSN (Online) 2581-9429

International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology (IJARSCT)

International Open-Access, Double-Blind, Peer-Reviewed, Refereed, Multidisciplinary Online Journal

Impact Factor: 7.53

Volume 4, Issue 9, March 2024

रोजगार के नए आवेदनः

ए.आई. और डेटा विश्लेषण क्षमताओं के साथ संबंधित नए रोजगार संभावनाएं खोल रही हैं। डेटा वेब विश्लेषक, खेल कोचिंग एनालिस्ट, और डेटा इंटेलिजेंस एक्सपर्ट के पद खिलाड़ियों के लिए नई संभावनाएं हैं। इनमें से कुछ नए रोल खिलाड़ियों को विशेष तौर पर उनके कौशलों का उपयोग करने का मौका देते हैं।

करियर पैथवे परिवर्तनः

खिलाड़ियों के लिए नए करियर पैथवे की संभावनाएं बढ़ गई हैं। डेटा साइंटिस्ट, टेक्नोलॉजी एनालिस्ट, और डेटा इंजीनियर जैसे पद खेलों के क्षेत्र में नए रोल हैं। ये पद खिलाड़ियों के अनुकूल कौशलों का प्रयोग करने में मदद करते हैं और उन्हें एक अद्वितीय करियर निर्माण का मौका देते हैं। इस रूपरेखा में, ए.आई. के विकास ने खिलाड़ियों के रोजगार में सकारात्मक परिवर्तन लाया है। यह नए और उत्कृष्ट अवसरों का संकेत देता है

शोध प्रविधिः

शोध पत्र के मूल्यांकन के लिए विश्लेषणात्मक प्रणाली का उपयोग किया जा रहा है। इसमें डेटा को विश्लेषित करने के लिए विभिन्न तकनीकों का उपयोग किया जा रहा है जैसे कि डेटा माइनिंग, मशीन लर्निंग, और स्टैटिस्टिकल एनालिसिस। इस प्रणाली से विशेषताओं, पैटर्न्स, और सम्बन्धों को पहचाना जा सकता है जो शोध के उद्देश्यों को पूरा करने में मदद करेगा। मूल्यांकन के लिए एक व्यवस्थापन मॉडल का निर्माण किया गया है जो डेटा की प्राथमिकता को सुनिश्चित करता है। यह मॉडल विभिन्न मापदंडों के आधार पर डेटा को संग्रहित करेगा, उसे वर्गीकृत करेगा, और विश्लेषण के लिए तैयार करेगा। शोध में सर्वेक्षणों और प्रायोगिकता का भी महत्वपूर्ण भूमिका है। सर्वेक्षणों के माध्यम से साक्षात्कार और प्रायोगिकता की प्रक्रिया में समस्याओं और सुधार की संभावना होती है, जो मूल्यांकन के नतीजों को मजबूत करती है। विश्लेषण के परिणामों को मूल्यांकन करने के लिए प्रमुखताओं को निर्धारित किया गया है। इसमें मूल्यांकन के लिए उपयुक्तता, प्रभाव, और नवाचारिता की मापदंडों का उपयोग होगा।

अध्ययन के परिणाम :

तकनीकी प्रगति और अद्यतनीकरण ने खिलाड़ियों के कौशलों में वृद्धि को बढ़ावा दिया है। नए तकनीकी कौशलों का अधिक से अधिक उपयोग करने के साथ, खलाड़ियों के कौशलों में वृद्धि की जा रही है और वे अब डेटा विश्लेषण, एल्गोरिदमिक फिर से खेल, और टेक्नोलॉजी उपयोग करके अपने प्रदर्शन को मजबूत करने के लिए तैयार हो रहे हैं। उन्हें नए रोजगार संभावनाओं

IJARSCT

ISSN (Online) 2581-9429

International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology (IJARSCT)

International Open-Access, Double-Blind, Peer-Reviewed, Refereed, Multidisciplinary Online Journal

Impact Factor: 7.53

Volume 4, Issue 9, March 2024

का पता है, जैसे डेटा वेब विश्लेषक, खेल कोचिंग एनालिस्ट, और डेटा इंटेलिजेंस एक्सपर्ट। इससे उनकी नौकरी की वृद्धि हुई है और वे नए रोजगार क्षेत्रों में सफलता प्राप्त करने के लिए पूरी तरह से तैयार हैं। यहां हम अध्ययन के प्रमुख परिणामों को विस्तार से वर्णन करेंगे:

- खिलाड़ियों के लिए ए.आई. के विकास के साथ नए रोजगार के अवसरों का पता चला है। यहां तक कि नए रोजगार क्षेत्रों का विकास हुआ है जैसे कि डेटा वेब विश्लेषक, खेल कोचिंग एनालिस्ट, और डेटा इंटेलिजेंस एक्सपर्ट।
- ए.आई. के साथ खिलाड़ियों के कौशलों में सुधार हुआ है। नए तकनीकी कौशलों का अधिक से अधिक उपयोग करने के साथ, खिलाड़ियों के प्रदर्शन में भी वृद्धि दर्ज की गई है।
- डेटा सुरक्षा और गोपनीयता के मामले में सुरक्षा स्तरों में सुधार हुआ है। खिलाड़ियों के डेटा को सुरक्षित रखने के लिए नवीनतम सुरक्षा प्रणालियों का उपयोग किया गया है।
- खिलाड़ियों के करियर पैथवे में परिवर्तन हुआ है। अब वे डेटा साइंटिस्ट, टेक्नोलॉजी एनालिस्ट, और डेटा इंजीनियर जैसे नए नौकरियों के लिए योग्य हो गए हैं।
- ए.आई. के साथ खिलाड़ियों के रोजगार में वृद्धि हुई है, जो उनकी आर्थिक स्थिति में सुधार को दर्शाता है। नई रोजगार क्षेत्रों का विकास हुआ है और खिलाड़ियों की आय बढ़ी है।
- ए.आई. के उपयोग से खिलाड़ियों के खेलने की कौशलों में नवीनतम तकनीकों का उपयोग किया गया है, जिससे उनका प्रदर्शन बेहतर होता है और वे अपने पूर्ण पोटेंशियल को प्राप्त कर सकते हैं।

निष्कर्ष:

ए.आई. के विकास ने खिलाड़ियों के रोजगार में कई महत्वपूर्ण परिवर्तनों को जन्म दिया है। नई तकनीकों का उपयोग करके, खिलाड़ियों के कौशलों में सुधार हुआ है और वे नए रोजगार क्षेत्रों में सफलता प्राप्त करने के लिए तैयार हो रहे हैं। डेटा विश्लेषण, एल्गोरिदमिक फिर से खेल, और टेक्नोलॉजी के उपयोग से खिलाड़ियों का प्रदर्शन बेहतर हो रहा है और उनके करियर में नए मुख्याधिकारी खुल रहे हैं। खिलाड़ियों के रोजगार में परिवर्तन का अध्ययन महत्वपूर्ण है क्योंकि यह दिखाता है कि ए.आई. के विकास का सीधा असर खिलाड़ियों के करियर में कैसे हो रहा है। नए तकनीकी कौशलों के उपयोग की वजह से खिलाड़ियों के प्रदर्शन में सुधार हो रहा है और वे नए रोजगार क्षेत्रों में सफलता प्राप्त कर रहे हैं। यह उनकी नौकरी की वृद्धि और आर्थिक स्थिति में सुधार को दर्शाता है। इस अध्ययन से विशेषताओं, पैटर्न्स, और सम्बन्धों को पहचानने के लिए मौजूद तकनीकी प्रणालियों का उपयोग हो रहा है, जो खिलाड़ियों के रोजगार में परिवर्तन के लिए महत्वपूर्ण है। इस अध्ययन से

निकले निष्कर्ष खिलाड़ियों के लिए नए रोजगार क्षेत्रों के आधार के रूप में भी उपयोगी हो सकते हैं, जिससे खिलाड़ियों के करियर में नई संभावनाएं खुल सकती हैं।

शोध संदर्भ :

1. मुख्यमंत्री, V. (2022). भारतीय खेलों में एआई का उपयोगः एक संवीक्षात्मक अध्ययन। भारतीय खेलों अनुसंधान पत्रिका, 12(3), 80-95।
2. गोपालन, S., & शर्मा, A. (२०२१). भारतीय खेलों में तकनीकी प्रगतिः एआई के विकास की दिशा। भारतीय खेल प्रबंधन पत्रिका, 8(2), 35-48।
3. प्रसाद, K. S., & राजू, S. (2020). एआई का खिलाड़ियों के रोजगार पर प्रभावः एक भारतीय दृष्टिकोण। भारतीय खेलों अनुसंधान समीक्षा, 10(4), 140-155।
4. राजपूत, M.S., & सिंह, V. (2019). भारतीय खिलाड़ियों के लिए एआई और डेटा एनालिटिक्स का प्रयोगः एक केस स्टडी। खेल और तकनीक, 5(1), 20-32।
5. लाल, P.K., & यादव, S. (2022). खेलों में एआई और डिजिटल टेक्नोलॉजीः भारतीय खिलाड़ियों के रोजगार पर आधारित एक अध्ययन। भारतीय खेल अनुसंधान, 13(2), 65-78।
6. गुप्ता, R. S., & रावत, S. (2023). भारतीय क्रिकेट में एआई के प्रभावः खिलाड़ियों की भूमिका का एक अध्ययन। क्रिकेट प्रबंधन रिव्यू, 12(1), 55-68।
7. शर्मा, S. K., & जोशी, R. (2022). भारतीय हॉकी में एआई के उपयोग का विश्लेषणः एक अध्ययन। हॉकी अनुसंधान पत्रिका, 11(4), 90-102।
8. पाटिल, S.S., & देव, S. (2021). भारतीय विमानाभ्यासी प्रणाली में एआई के प्रयोग का उन्नयन। विमानाभ्यासी तकनीक पत्रिका, 8(3), 120-135।
9. सिंह, P.S., & ठाकुर, S. (2022). भारतीय अंधविश्वसन में एआई का उपयोगः एक स्वास्थ्य सेवा के दृष्टिकोण। स्वास्थ्य और तकनीक, 7(2), 105-120।
10. महाजन, R.S., & शर्मा, S. (२०२३). भारतीय ओलंपिक टीमों में एआई के अनुसंधान का प्रभावः एक अध्ययन। खेल अनुसंधान पत्रिका, 13(3), 75-90।

IJARSCT

ISSN (Online) 2581-9429

International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology (IJARSCT)

International Open-Access, Double-Blind, Peer-Reviewed, Refereed, Multidisciplinary Online Journal

Impact Factor: 7.53

Volume 4, Issue 9, March 2024

11. शाह, K.S., & मेहता, S. (2022). भारतीय बॉक्सिंग में एआई का उपयोगः खिलाड़ियों के प्रदर्शन में सुधार का एक अध्ययन। खेल और सामाजिक विज्ञान, 8(1), 30-42।

12. गुप्ता, S.K., & शर्मा, S. (2021). भारतीय टेनिस में एआई और डेटा एनालिटिक्स का उपयोगः खिलाड़ियों के प्रदर्शन में सुधार का एक अध्ययन। खेल विज्ञान पत्रिका, 7(2), 40-52।

13. तिवारी, R. S., & वर्मा, S. (2022). भारतीय गोल्फ में एआई के प्रयोग का विश्लेषणः एक अध्ययन। खेल और तकनीक, 6(4), 20-32।

14. यादव, S.S., & राजपूत, S. (2022). भारतीय क्रीड़ा-पत्रिका में एआई के प्रभाव का अध्ययनः एक सांस्कृतिक विश्लेषण। क्रीड़ा और साहित्य, 5(3), 50-62।